अनुक्रमांक/Roll No. | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 50
Total No. of Questions : 50

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 17
No. of Printed Pages : 17

Suitability Test– 2022
2nd QUESTION PAPER-*Cum*-ANSWER SHEET

समय – 3:00 घण्टे (प्रथम प्रश्न पत्र के साथ ही)
Time Allowed – 3:00 Hours (Including 1st Que. Paper)

पूर्णांक – 50
Total Marks – 50

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्न के अंक समान हैं। ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
   All questions are compulsory. All questions shall carry equal Marks. There is no negative marking.
2. प्रश्न पत्र में प्रश्नों की निर्धारित संख्या 50 हैं । परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न–पत्र में निर्धारित संख्या में प्रश्न मुद्रित है, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न पत्र मांग लें ।
   The question paper contains 50 questions. The examinee should verify that the requisite numbers of questions are printed in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
3. प्रश्न पत्र के आवरण पृष्ठ पर प्रश्न–पत्र में लगे पृष्ठों की संख्या दी गई । परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न–पत्र में निर्धारित संख्या में पृष्ठ लगे हैं, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न–पत्र मांग लें ।
   The cover page indicates the number of pages in the question paper. The examinee should verify that the requisite number of pages are attached in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
4. प्रदत्त उत्तर शीट पर दिये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा अपने उत्तर तदनुसार अंकित करें।
   Read carefully the instructions given on the answer sheet supplied and indicate your answers accordingly.
5. कृपया उत्तरशीट पर निर्धारित स्थानों पर निर्धारित प्रविष्टियां कीजिये, अन्य स्थानों पर नहीं ।
   Kindly make the necessary entries on the answer sheet only at the places specified and nowhere else.
6. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मान्य होगा।
   If there is any sort of mistake either of printing or of factual nature in any question, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will prevail.

P.T.O.

Code of Civil Procedure, 1908

प्र.क्र. 1– क्या धारा 11 सी.पी.सी. के अंतर्गत प्रावधानित रेस ज्यूडिकेटा का सिद्धांत निष्पादन कार्यवाहियों पर लागू होता है ?
Whether the principle of res judicata provided under Section 11 of the CPC is applicable to execution proceedings?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 2– किस प्रकार की भूल या गलतियां धारा 152 सी.पी.सी. के अंतर्गत सुधारी जा सकती है ?
What types of omission or mistakes may be corrected under section 152 of the CPC ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 3– जहां निर्णय सुनाये जाने के उपरांत किन्तु डिक्री पर हस्ताक्षर के पूर्व न्यायाधीश ने अपना पद रिक्त कर दिया है उस दशा में डिक्री पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया क्या होगी ?
What procedure will be adopted for signing a decree where the judge has vacated the office after pronouncing the judgment but before signing the decree?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 4– वाद के अन्तरण व प्रत्याहरण की साधारण शक्ति से क्या तात्पर्य है।
What does mean General power of transfer and withdrawal of a suit.

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 5– डिक्री की अन्तर्वस्तु में क्या होगा?
What will be the contents of a decree?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 6– कब न्यायालय स्वीकृतियों पर निर्णय कर सकेगा ?
When Court may give judgment on admission ?

उत्तर–

.....

.....

.....

Limitation Act, 1963

(Section 3, 5 to 14, 27 & 29 Articles 64, 65 & 137)

प्र.क्र. 7– मुजरा या प्रतिदावे के संबंध में प्रस्तुत प्रकरण की परिसीमा की गणना न्यायालय कैसे करेगा ?

In order to reckoned the period of limitation regarding set off and counter-claim, how will the Court calculate the period of limitation?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 8– सुसंगत प्रावधान सहित वर्णन करें, कब सम्पत्ति पर का अधिकार निर्वापित होता है ?

Describe with relevant provision when the right to property shall be extinguished ?

उत्तर–

.....

.....

.....

Specific Relief Act, 1963

(Chapter I - Section 5, 6, 7 & 8, Chapter VI - Section 34 & 35, Chapter VIII - Section 38 & 41)

प्र.क्र. 9– तत्परता एवं इच्छा में अतंर बतलाईए।

Explain distinction between readiness and willingness.

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 10– अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत कब स्थावर सम्पत्ति से वेकब्जा किसी व्यक्ति द्वारा वाद नहीं लाया जायेगा, वर्णन करें ?
Describe when suit under section 6 of the Act shall not be brought by any person dispossessed of immovable property?

उत्तर–

.....

.....

.....

Motor Vehicle Act, 1988

प्र.क्र. 11– क्या अधिकरण को घायलों द्वारा प्रस्तुत विकलांगता प्रमाण पत्र को उसी रूप में स्वीकार करना होगा या नहीं ?
Whether the tribunal has to accept the disability certificate produced by the injured in the same way or not ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 12– मोटर दुर्घटना में व्यक्तिगत गम्भीर क्षति के मामलों में प्रतिकर का निर्धारण किन किन मदों में किया जाना चाहिए?
In matter of personal serious injury caused in motor accident under what heads compensation should be determined?

उत्तर–

.....

.....

.....

Code of Criminal Procedure, 1973

प्र.क्र. 13– क्या जमानत आवेदन खारिज करने के आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका विचारणीय है ? स्पष्ट करें ?

Whether a revision petition is maintainable against the order rejecting the bail application ? Explain ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 14– द.प्र.सं. की धारा 446 के अंतर्गत बन्धपत्र के समपहृत करने के आदेश के खिलाफ क्या उपाय उपलब्ध हैं ?

What remedy is available against the order of forfeiture of bond under section 446 of the Cr.P.C. ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 15– एक ही वर्ष में किए गए एक ही किस्म के तीन अपराधों के आरोपों के लगाए जाने के संबंध में प्रावधानों को स्पष्ट करें ?

Explain provisions regarding charges for three offences of same kind committed within year ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 16– संहिता की धारा 436(2) के प्रावधान के अंतर्गत, कब न्यायालय अभियुक्त को जमानत पर छोड़ने से इंकार कर सकता है ?

When the court may refuse to release an accused on bail under the provision of section 436 (2) of the Code ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 17– सुसंगत प्रावधान सहित प्रक्रिया का वर्णन करें, जब मजिस्ट्रेट को प्रतीत होता है कि मामले का विचारण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाना चाहिए ?

Describe the procedure with relevant provision when it appears to the Magistrate that the case should be tried by the Chief Judicial Magistrate ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 18– कब सत्र न्यायालय में लंबित किसी अत्यावश्यक आवेदन पर कार्यवाही करने की अधिकारिता मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को होगी, स्पष्ट करें ?

Explain, when Chief Judicial Magistrate shall have jurisdiction to deal with any urgent application pending in the Sessions Court ?

उत्तर–

.....

.....

.....

Indian Evidence Act, 1872

प्र.क्र. 19– मुख्य परीक्षण के दौरान सूचक प्रश्न कब पूछे जा सकते हैं ?
When a leading question can be asked in an examination in chief ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 20– पूर्वतन बुरा शील कब सुसंगत है ?
When the previous bad character is relevant ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 21– उत्प्रेरण, धमकी या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति दाण्डिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है?
Confession caused by inducement, threat or promise when irrelevant in criminal proceedings?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 22– साक्षीयों की परीक्षा के क्रम व पुनः परीक्षा को स्पष्ट करें।
Elucidate order of examination and re-examination of witness.

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 23– डायटम टेस्ट क्या है?
What is Diatom test?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 24– ऐसे दस्तावेज का निष्पादन जिसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित है, कैसे साबित होगा?
How the execution of a document shall be proved which is required by law to be attested?

उत्तर–

.....

.....

.....

Indian Penal Code, 1860

प्र.क्र. 25– "सदोष परिरोध" को परिभाषित कीजिये।
Define "wrongful confinement".

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 26– "स्वेच्छया" शब्द को परिभाषित कीजिए ।
Define the word "voluntarily".

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 27– "विवाह का मिथ्या वचन" एवं "मात्र विवाह करने के वचन का भंग" में अंतर बतलाईए।
Explain the distinction between "False promise to marry" and "mere breach of promise to marry".

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 28– जुर्माना या उसका कोई भाग जो चुकाया न गया हो के उदग्रहण के सम्बन्ध में भारतीय दण्ड संहिता में क्या प्रावधान हैं ?
What are the provisions in IPC regarding levy of fine, or any part thereof which remains unpaid ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 29– जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर न्यायालय द्वारा अभियुक्त को किस भांति का कारावास दिया जा सकेगा, वर्णन करे ?
Describe the description of imprisonment which the Court may imposes in default of payment of fine ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 30– सुसंगत प्रावधान सहित "सम्पत्ति चिन्ह" को स्पष्ट करें।
Explain 'Property Mark' with relevant provision.

उत्तर–

.....

.....

.....

Negotiable Instrument Act, 1881

(Section 138 to 142)

प्र.क्र. 31– क्या अकेले कंपनी के प्रबंध संचालक के विरूद्ध धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत परिवाद चलने योग्य होता है ?
Whether a complaint against the managing director of a company alone is maintainable under section 138 of the Negotiable Instrument Act ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 32– इस अधिनियम की धारा 138 के प्रयोजनों के लिए "ऋण या अन्य दायित्व" से क्या अभिप्रेत है?
What is meant by 'debt or other liability' for the purposes of section 138 of this Act ?

उत्तर–

.....

.....

.....

The Electricity Act, 2003

प्र.क्र. 33– मामले को विशेष अदालत में स्थानांतरित करने के बाद, क्या विशेष अदालत पिछली अदालत द्वारा दर्ज साक्ष्य का उपयोग कर सकती है ?
After getting transferred case to the special court, whether the special court may use evidence recorded by the previous court ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 34– सुसंगत प्रावधान सहित स्पष्ट करें कि किस आधार पर विशेष न्यायालय अपने निर्णय या आदेश का पुनर्विलोकन कर सकता है?
Explain with relevant provision that on which ground the special court can review its judgment or order?

उत्तर–

.....

.....

.....

Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012

प्र.क्र. 35– अधिनियम की धारा 10 के तहत गुरूतर लैंगिक हमले के लिए प्रावधानित दण्ड क्या है?
What is the punishment for aggravated sexual assault under section 10 of the Act ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 36– मजिस्ट्रेट द्वारा बालक के कथन को अभिलिखित किए जाने की प्रक्रिया को स्पष्ट करें।
Elucidate procedure for recording statements of the child by Magistrate.

उत्तर–

.....

.....

.....

Juvenile Justice (Care and protection of Children) Act, 2015

प्र.क्र. 37– अधिनियम की परिभाषा खण्ड के अनुसार, किस प्रकार के अपराध "जघन्य अपराध" में सम्मिलित हैं ?
As per the definition clause of the Act, what types of offences are included in "heinous offences" ?

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 38– बोर्ड द्वारा जघन्य अपराधों में प्रारंभिक निर्धारण का प्रयोजन क्या है, स्पष्ट करें?
What is the purpose of preliminary assessment of heinous offences by the Board, Explain?

उत्तर–

.....

.....

.....

Chapter 11 i.e. Section 65 to 79A of Information Technology Act, 2000.

प्र.क्र. 39– अधिनियम की धारा 66–सी के अंतर्गत पहचान की चोरी के संबंध में प्रावधानिक दण्ड क्या है ?
What is the punishment provided for identity theft under section 66-C of the Act.

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 40– किसी चित्र के संबंध में प्रग्रहण से क्या अभिप्रेत है?
What is Capture with respect to an image means?

उत्तर–

.....

.....

.....

(नीचे दिये गये प्रश्न क्रमांक 41 से 50 के हिन्दी वाक्यों को अंग्रेजी में अनुवाद करें।)

(Translate the following Hindi Sentences given in Question No. 41 to 50 into English.)

प्र.क्र. 41– इस धारा के अधीन की किसी भी कार्यवाही के खर्च न्यायालय के विवेकाधिकार में होंगे।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 42– अभियुक्त की प्रतिरक्षा यह है कि उसे दुश्मनीवश झूठा संलिप्त किया गया है।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 43– न्यायालय ने दोनों पक्षकारों को यथास्थिति बनाये जाने का निर्देश दिया।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 44– केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वार, इस अधिनियम के प्रावधानों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकेगी।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 45– जो कोई, उसी बालक पर एक से अधिक बार या बार–बार लैंगिक प्रवेशन हमला करता है।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 46– वह चैक उसके लिखे जाने की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर या उसकी विधिमान्यता की अवधि के भीतर जो भी पूर्वतर हो, बैंक को प्रस्तुत न किया गया हो।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 47– विलम्ब माफ किये जाने के लिए दायी होगा जहां वाद में कोई असुविधा किसी अन्य पक्षकार को कारित नहीं की गई थी।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 48– प्राथमिक साक्ष्य से न्यायालय के निरीक्षण के लिए पेश की गई दस्तावेज स्वयं अभिप्रेत है।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 49– जब विशिष्ट समय कतिपय तारीख से दिया जाता है, जिसके अंतर्गत कार्य किया जाना चाहिये तब उस तारीख का दिन अपवर्जित किया जाना चाहिये।

उत्तर–

.....

.....

.....

प्र.क्र. 50– किसी संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के वाद में वादी ऐसे पालन के स्थान पर उसके भंग के लिए प्रतिकर का भी दावा कर सकेगा।

उत्तर–

.....

.....

.....

*****

केवल मूल्याँकनकर्ता के उपयोग हेतु / For Valuer use only	
प्राप्तांक / Marks Obtained	
प्राप्तांक (शब्दों में) / Marks Obtained (in words)	
मूल्याँकनकर्ता के हस्ताक्षर / Signature of Valuer	